an>

Title: Need to declare Kishanganj Parliamentary Constituency of Bihar as flood affected area.

श्री मोहम्मद असरारुल हक़ (किशनगंज) : इज़्ज़तमाब अध्यक्षा जी, आपने मुझे सैलाब के क़हर से प्रभावित लोगों के दर्द और उनकी ज़रूरतों पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं।...(व्यवधान)

मान्यवर, उत्तरी और पूर्वी बिहार के जिलों किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, सुपौल, मधेपुरा और दरभंगा की बड़ी नदियों, जैसे महानंदा, मेछी, डोक, बकरा, कनकई, परवान, कोसी और गंगा आदि नदियों में आई बाढ़ से उन आठ जिलों के 43 प्रखण्डों की 443 पंचायतों में 1448 गांवों की लगभग 17 लाख आबादी प्रभावित हुई है और 50 लाख हेक्टेयर ज़मीन में खरी फसलें तबाह व बर्बाद हो गयी हैं।...(व्यवधान) विशेÂष रूप से, मेरे संसदीय क्षेत्र किशनगंज में बाढ़ प्रभावितों की हालत बहुत दर्दनाक और भयावह बनी हुई है।...(व्यवधान) आम लोगों का घर, मक़ान सब कुछ तबाह व बर्बाद हो गया है।...(व्यवधान) सड़कें, पुल और बांध टूट कर बह गए हैं और कई मौतें भी हो चुकी हैं।...(व्यवधान) खास तौर पर, यहां की लाइफलाइन कही जाने वाली किशनगंज-बहादुरगंज सड़क में मौजूद महानंदा पुल और एन.एच.-327ई में पौआखाली के नज़दीक मरम्मिद्दा में एक बड़े पुल का वजूद खतरे में है।...(व्यवधान)

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि बाढ़ प्रभावित लोगों को ज्यादा से ज्यादा सहायता उपलब्ध कराते हुए बाढ़ प्रभावितों को पुनर्वास, टूटी हुई सड़कों की मरम्मत, संकट में घिरे हुए पुलों के स्थान पर, खासकर महानंदा पुल, किशनगंज का विकल्प बनाया जाए और मेरे संसदीय क्षेत्र में बहने वाली नदियों के किनारे तटबंध का निर्माण किया जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री नव कुमार सरनीया - उपस्थित नहीं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री गौरव गोगोई।

â€¦(व्यवधान)